राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार,16 अप्रैल 2025

वर्ष 14,अंक 07, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

शिक्षा और शराब आमने-सामने...03

दक्षिण जिला पुलिस ने दो घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया...04

बीएसपी में आकाश आनंद को मायावती ने दी शर्तों के साथ एंट्री

ब्यूरो प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को माफी तो दे दी है। लेकिन उनके ससुर और पूर्व बीएसपी सांसद अशोक सिद्धार्थ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी के लिए हानिकारक बताते हुए उनकी गलतियों को अक्षम्य करार दिया। यह घटनाक्रम रविवार को आकाश आनंद के उस सार्वजनिक माफीनामे के बाद सामने आया, जिसमें उन्होंने अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए मायावती को अपना एकमात्र राजनीतिक गुरु और बीएसपी को सर्वोपरि बताया। इस पूरे प्रकरण ने बीएसपी के आंतरिक समीकरणों और भविष्य की रणनीति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मायावती ने सीमित विकल्पों की वजह से आकाश को एंट्री दी है। आखिर मायावती के बाद बीएसपी में उनकी जगह कौन लेगा, इस पर कार्यकर्ताओं में चर्चा बनी रहती है। ऐसे में मायावती के पास ऐसी सूचना न हो, असंभव है। आकाश आनंद ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने अपनी गलतियों के लिए मायावती और बीएसपी कार्यकर्ताओं से माफी मांगी। उन्होंने लिखा, मेरी पिछली एक्स पोस्ट की वजह से पार्टी को नुकसान हुआ और कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित हुआ। इसके लिए मैं शर्मिंदा हूं और अपनी गलतियों को सुधारने का वादा करता हूं। आकाश ने यह भी कहा कि वे अब अपने रिश्तेदारों, खासकर ससुराल वालों, की सलाह को अपने राजनीतिक फैसलों में बाधा नहीं बनने देंगे। उन्होंने मायावती को बहुजन समाज की ग्लोबल नेता और दलितों की मसीहा बताते हुए कहा, मैंने बीएसपी सुप्रीमो से ही राजनीति सीखी है और उनके बिना मेरा कोई राजनीतिक अस्तित्व नहीं है। मैं उनके निर्देशों का पालन करते हुए एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में पार्टी की सेवा करना चाहता हूं। आकाश ने यह भी वादा किया कि वे अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ या अन्य सलाहकारों के प्रभाव से मुक्त रहकर केवल मायावती के नेतृ मायावती ने आकाश के माफीनामे का जवाब देते हुए उनकी माफी को स्वीकार कर लिया, लेकिन साथ ही सख्त लहजे में कहा कि आकाश को अभी लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने कहा, ÷आकाश ने अपनी गलतियों को स्वीकार किया है, जो एक पॉजिटिव कदम है। लेकिन उनकी गलतियों का मूल कारण उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ हैं, जिन्होंने न केवल आकाश को गलत रास्ते पर ले जाने की कोशिश की, बल्कि बीएसपी के मिशन को भी कमजोर किया। उनकी गलतियां माफ करने लायक नहीं हैं। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि आकाश को फिलहाल पार्टी में कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। मायावती ने कहा- ÷वे एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के लिए काम करेंगे और अपनी निष्ठा साबित करेंगे। बीएसपी में अनुशासन और मिशन सर्वोपरि है। मैंने हमेशा कांशीराम जी के सिद्धांतों का पालन किया है और कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी करीबी क्यों न हो, पार्टी के हितों से ऊपर नहीं हो सकता। त्व में काम करेंगे। यह पूरा घटनाक्रम मार्च 2025 में शुरू हुए उस विवाद की कड़ी है, जब मायावती ने आकाश आनंद को बीएसपी से निष्कासित कर दिया था। तब मायावती ने आकाश पर अहंकार, स्वार्थी व्यवहार और पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया था। **शेष खबर पेज -12**

भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के योगदान के लिए देशवासी सदैव कृतज्ञ रहेंगे।

ब्यूरो प्रयागराज। विधानसभा बारा के अमिलिया ग्राम सभा में संविधान के रचयिता बाबा भीम राव अंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नीरज त्रिपाठी जी ने कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक असमानता को दूर करने तथा वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने के उद्देश्य से भारत के संविधान में अनेक प्राविधान किए। भारतीय संविधान के निर्माण में उनके योगदान के लिए देशवासी सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे। बाबा साहब ने आजीवन अनुसूचित जाति वर्ग सहित सभी उपेक्षित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के सशक्तीकरण के लिए बाबा साहब द्वारा किए गए प्रयास हम सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। भेदभाव रहित एवं समरस समाज का निर्माण ही उनके प्रति हम सभी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मंच के माध्यम से सभी कार्यकर्ता को मैं नमन करता हूँ जिन्होंने इतना भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया और मुझे इस अवसर पर आमंत्रित किया कार्यक्रम में विभव नाथ भारती और संतोष त्रिपाठी जी, श्री अनिल मिश्रा व पंकज केशरी जी ने अपने संबोधन में भीमराव अंबेडकर के लिए अपने अपने विचार रखे कार्यक्रम आयोजक वंदना सिंह मंडल अध्यक्ष मनकामेश्वर मंडल साथ में विभव नाथ भारती, संतोष त्रिपाठी,अनिल मिश्रा पूर्व जिला मंत्री बीजेपी, पंकज केशरी अधिवक्ता, प्रदीप पांडेय, सुभाष तिवारी अधिवक्ता तथा अन्य सभी कार्यकर्ता ।

गिरछा चौराहा अब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के नाम से जाना जायेगा : उपमुख्यमंत्री

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद के नगर पालिका परिषद भरवारी में उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य ने आज डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर जनपद के रसूलपुर, गिरछा चौराहा, में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके उपरान्त माननीय उपमुख्यमंत्री के द्वारा वार्ड नम्बर 14, सोहाद नगर (नवीपुर) रोही बाईपास, भरवारी में नवनिर्मित नगर पालिका परिषद भरवारी कार्यालय का लोकार्पण फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती पर उनको शत-शत नमन करता हूँ इसी के साथ मै यह घोषणा करता हूँ कि गिरछा चौराहा और यह नवनिर्मित नगर पालिका परिषद भरवारी कार्यालय अब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के नाम से जाना जायेगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का सपना था कि गरीबों,वचिन्तों को बराबर का समाज में जीने का हक मिले आज हमारी सरकार उनके सपने को सबका साथ सबका विकास के साथ पूरा कर रही है। बाबा साहब को असली सम्मान इस सरकार में मिला है प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री समर्पित होकर गरीबों का कल्याण कर रहे हैं। बाबा साहब का सपना था कि समुदाय शिक्षित हो यह सरकार शिक्षा पर विशेष जोर दे रही है। आज डबल इंजन की सरकार में सभी गरीबों को पक्का घर देने का काम किया। बाबा साहब का जीवन बहुत संघर्षों में बीता है वे पूरा जीवन गरीबों एवं वन्चितों को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करते रहे। इनके सपनों के साकार करने के लिए प्रधानमंत्री ने कई योजना चलाकर गरीबों व वन्चितों को लाभान्वित कर कई करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का काम किया है बाबा साहब चाहते थे की कोई भी गरीब भूखा न रहे उनके सपने को अगर किसी ने सच में साकार किया है तो वे है हमारे प्रधानमंत्री जिन्होंने निःशुल्क राशन, पक्का मकान, शौचालय, गैस एवं निःशुल्क इलाज देकर गरीबी को खत्म करने एवं उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया। आज हर घर नल से जल का पहुँचाने का काम किया साथ ही हर घर के अंधेरे को खत्म कर विद्युत देने का काम किया है। पहले की सरकारों में भी योजनायें बनती थी लेकिन उसका लाभ आम आदमियों को नहीं मिलता था वे सारी योजनायें भष्ट्राचार की भेंट चढ़ जाती थी लेकिन हमारी सरकार आज पारदर्शिता ढंग से कार्य करते हुए सीधे उनके खाते में पैसा दे रही है। पहले बिना रिसवत दिये नौकरी मिलना सम्भव नहीं था आज पूरी इमानदारी के साथ भर्तियां की जा रही हैं। उन्होंने जन समुदाय से कहा कि आपको वोट देने का अधिकार बाबा साहब के लिखे हुए संविधान से ही मिला है। आज हम सभी वादा करें कि बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेकर देश को आगे बढ़ायेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर के जीवनदर्शन, आदर्श एवं व्यक्तित्व से बहुत कुछ सीखने को मिलता है, हम सभी लोगों को उनके जीवन आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिये। डॉ0 भीमराव आम्बेडकर ने बहुत ही विषम परिस्थितियों में शिक्षा ग्रहण की, उनके द्वारा लिखित पुस्तकों के अध्ययन से पता चलता है कि उनके सोंचने का दर्शन अद्वितीय था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद कार्यालय का निर्माण 793.22 लाख की लागत से किया गया है कौशाम्बी में आज लगातार विकास कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों से कहा कि जो भी जनपद में विकास से सम्बन्धित प्रस्ताव हो हमें दे उस पर भी जल्द से जल्द कार्य किया जायेगा पैसे की कमी नहीं है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, श्रीमती कविता पासी, राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती प्रतिभा कुशवाहा, चायल विधायक पूजा पाल, पूर्व सांसद विनोद कुमार सोनकर, पूर्व विधायक लाल बहादुर, पूर्व विधायक संजय कुमार गुप्ता, पूर्व विधायक शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल, सहित अन्य जनप्रनिधिगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

टीम निंजा ने अनपरा थर्मल पावर कप रात्रि कालीन क्रिकेट टूर्नामेंट जीता

अनपरा सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अनपरा कालोनी के ऑपरेटिंग क्लब मे अनपरा थर्मल पावर कप रात्रि कालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन विगत 24 मार्च 2025 को मुख्य अतिथि तथा परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक इं जेपी कटियार,विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक अ एवं ब इं दूध नाथ,महाप्रबंधक प्रशासन इं निखिल चतुर्वेदी,महाप्रबंधक द इं विजय बहादुर ने फीता काटकर कराया था। विगत 24 मार्च से प्रतिदिन चल रहे इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच रविवार देर शाम को टीम निंजा और टीम एलएक्सजी के बीच खेला गया। निंजा टीम के कप्तान इं कुमार गौरव ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया और 12 ओवर के इस मैच में एलएक्सजी की पूरी टीम 10.2 ओवर मे 46 रन पर ही ऑल ऑउट हो गई,रनों का पीछा करते हुए निंजा की टीम ने 9.3 ओवर में ही 47 रन बनाकर विजयी हो गयी।

भाजपा ओबरा मंडल ने मनाई बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती

ओबरा,सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओबरा मंडल ने आज, 14 अप्रैल 2025 को मंडल अध्यक्ष शिव नाथ जायसवाल की अध्यक्षता में छोटी शारदा मंदिर शक्ति केंद्र स्थित खरवार टोला में बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष शिव नाथ जायसवाल ने जिला प्रभारी अनिल सिंह का अंग वस्त्र और माला पहनाकर स्वागत किया।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अनिल सिंह ने बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के जीवन और उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बाबा साहेब के प्रसिद्ध उद्धरण शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जिससे व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए जागरूक हो सकता है और एकजुट होकर उनके लिए संघर्ष कर सकता है।

हत्याकांड में आरोपी पुनीत के परिवार ने लगाई न्याय की गुहार, सीबीआई जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। सरेनी थाना क्षेत्र के मौनी मोहल्ला में पांच अप्रैल को हुए अतुल तिवारी हत्याकांड में आरोपी बनाए गए पुनीत सिंह के परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। आरोपी की मां रामा सिंह और बहन कल्पना सिंह ने मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। कस्बे के एक गेस्ट हाउस में मीडिया से बात करते हुए बहन कल्पना सिंह ने बताया कि घटना वाले दिन सुबह करीब 10 बजे मोहल्ले में नाली के विवाद को लेकर मृतक अतुल तिवारी का झगड़ा अजय व अन्य लोगों से हो रहा था। इस दौरान मृतक की मां ने उनकी मां को बीच-बचाव के लिए बुलाया। जब वह मौके पर पहुंचीं तो अतुल नशे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगा। इसी बीच उनका भाई पुनीत उन्हें वहां से

लेकर चला आया। परिजनों का कहना है कि मृतक के मामा और माता-पिता ने पुनीत को पीटते घसीटते हुए घर ले गए। अगले दिन सूचना मिली कि अतुल की मौत हो गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि झगड़े में शामिल अन्य लोगों के साथ ही पुनीत का भी नाम एफआईआर में दर्ज कर दिया गया, जबकि वह निर्दोष है और सिर्फ मदद के लिए मौके पर गया था। परिवार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि मामले को राजनीतिक रंग न दिया जाए और सच्चाई सामने लाने के लिए सीबीआई जांच कराई जाए।

बहन की ससुराल वालों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

शाहाबाद हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हैदरपुर निवासी विवाहिता के भाई ने कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिलहरी निवासी बहन की ससुराल वालों पर प्रताड़ित कर जान से मारने की नियत से लटका देने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी है।पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेकर मामले की जांच शुरू की है।पीड़ित विपिन पुत्र श्यामा चरन के अनुसार उसने अपनी बहन मंजू का विवाह कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिलहरी निवासी हरिश्चंद्र के पुत्र अनूप बाजपेई के साथ किया था।रविवार को सुबह उसके पास भांजे आयुष का फोन आया कि अनूप बाजपेई, अंभुज बाजपेई और पंकज बाजपेई उसकी बहन को साड़ी से बांधकर जान से मार डालने की नियत से छत में लटका दिए है।घटना की सूचना पर वह तुरंत बहन की ससुराल बिलहरी पहुंचा और बहन को बोलेरो में डालकर सीएचसी शाहाबाद लाया जहां से उसकी हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने उसे ट्रामा सेंटर हरदोई रेफर कर दिया जहां उसकी बहन का इलाज चल रहा है।आरोपी उसकी बहन को लटका कर मरा जानकर घर से भाग गए हैं।पुलिस ने पीड़ित की लिखित तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पोसला चौराहे पर मनाई गई बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती

स्वतंत्र प्रभात

कोराव,प्रयागराज। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पोसला चौराहे पर मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक राजमनी कोल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता । मुनेश्वर कोल ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उषा मिश्रा,मुकेश कोल,अशोक पांडे,सूर्य प्रताप,विजय तिवारी, पुष्पा श्रीवास्तव,सदानंद मिश्र,श्याम बाबू केसरी,हरिकृष्ण द्विवेदी, विमला देवी, संजय सिंह, ,विपिन तिवारी, देवेंद्र प्रताप सिंह,राम बाबू द्विवेदी, सियाराम मिश्रा, रामकृष्ण ,नीरेंद्र निषाद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और समाज में समानता, शिक्षा और

संविधान के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम संयोजक पूजा मिश्रा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी महान लोगों का स्वागत अभिनंदन किया गया । समूचा देश बाबा साहब के बनाए नियम पर चल रहा है। इसी क्रम में वरिष्ठ नेता प्रकाश चंद्र विद्यार्थी के नेतृत्व में एक विशाल मोटर साइकिल जुलूस निकाला गया, जो खीरी, खपटिहा, छापर सहित आसपास के क्षेत्रों में घूमता हुआ बाबा साहेब के विचारों का प्रचार करता रहा। इस जुलूस में युवाओं की भारी भागीदारी देखने को मिला।

घटना में वृद्धि घटना के वक्त गृहस्वामी नागेश्वर ठाकुर अपनी पत्नी के साथ इलाज के लिए पटना गए हुए थे

समस्तीपुर में चोरी की घटना में वृद्धि ! बंद मकान से 10 लाख की चोरी, अलमारी से जेवर और नकदी गायब

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर। समस्तीपुर में में चोरी और लूट की वारदातें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले कुछ महीने से बाइकों से लेकर कई गांवों में अज्ञात चोर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। वहीं अब लूट की घटनाओं में भी इजाफा होने लगा है। इससे आम जनता भयभीत नजर रही है। ताजा मामला जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के नंदिनी की है, जहां से एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। जानकारी के अनुसार यहां चोरों ने बीती रात एक बंद घर को निशाना बनाया और अलमारी तोड़कर करीब 10 लाख रुपये के जेवरात और नकदी चुरा ली। बताया जाता है कि घटना के वक्त गृहस्वामी नागेश्वर ठाकुर अपनी पत्नी के साथ इलाज के लिए पटना गए हुए थे। घटना के संबंध में पीड़ित नागेश्वर ठाकुर ने बताया कि वे कल अपनी पत्नी का इलाज कराने पटना गए थे।

आज सुबह करीब 8 बजे जब वे घर लौटे तो घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी टूटी हुई थी और उसमें रखे जेवरात और नकदी गायब थे। उन्होंने बताया कि घर में वे और उनकी पत्नी ही रहते हैं। उनके बेटे बाहर रहते हैं। बीती रात जब वे पटना गए हुए थे, तभी चोरों ने घर में घुसकर सोने का मंगलसूत्र, गले का चेन, दो कान की बाली, चार सोने की अंगूठी, 13 चांदी के सिक्के और नकदी चुरा ली। चोरी की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि एक साल पहले भी इसी वार्ड में दो घरों से करीब 11 लाख रुपए की चोरी हुई थी, लेकिन आज तक पुलिस उस मामले का उद्भेदन नहीं कर पाई है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है।

लूकरगंज में सड़क किनारे खड़ी बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात!

प्रयागराज। शहर के लूकरगंज इलाके में पूनम अपार्टमेंट के पास एक सड़क किनारे खड़ी बाइक चोरी हो गई। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि आरोपी मास्टर की की मदद से बाइक का लॉक खोलता है और मौके से फरार हो जाता है। बाइक मालिक, जो पेशे से बिजली कारीगर है, ने मामले की सूचना तत्काल स्थानीय थाने में दी और एक लिखित तहरीर भी सौंप दी है। पीड़ित का कहना है कि वह कुछ समय के लिए काम के सिलसिले में वहां रुका था, इसी दौरान उसकी बाइक चोरी हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने की कोशिश कर रही है और जल्द ही उसके खिलाफ कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर दहशत का माहौल है। घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए एसआई रामकुमार को भेजा गया है। फिलहाल घटना के हर पहलू की जांच की जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने और इलाके में रात्रि गश्ती बढ़ाने की मांग की है।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि।

ब्यूरो प्रयागराज। आज दिनांक अग्निशमन से आयुक्त प्रयागराज व पुलिस उपायुक्त नगर को मुख्य अग्निशमन अधिकारी कमिश्नरेट

प्रयागराज द्वारा स्मृति चिन्ह पिन फ्लैग लगाया गया व फायर स्टेशन सिविल लाइन्स में अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के अवसर कर्तव्य पथ पर अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को याद कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं जागरूकता रैली निकाली गयी।

प्रकृति का श्रृंगार परिवर्तन और सत्य मानवीय जीवन की ऊर्जा

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि÷सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित ऊर्जा और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है÷ यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवंसर्वकालीन है। यह तो सत्य है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि %सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का %सांच को आंच नहीं% जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित ÷सत्यमेव जयते÷ आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मो से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है।

यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे।

आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निर्देशों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊर्जावान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चैनल न्यूज़ प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है। अमीर देशों की धन के दम पर दादागिरी कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर होने वाले वैश्विक सम्मेलन इसीलिए भी असफल होते दिखाई दिए हैं। क्योंकि अमीर देश कार्बन उत्सर्जन की मात्रा की जिम्मेदारी ज्यादा जनसंख्या वाले विकासशील देशों के सिर पर डाल देते हैं। सत्य की मनमानी व्याख्या आधुनिक युग की सच्चाई है सत्य का दमन इस स्तर पर पहुंच चुका है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत स्तर पर दिन में कितनी बार धनबल के दबाव में अपने अंतःकरण से समझौता कर अपनी सहज प्रवृत्ति का दमन करने से नहीं चूकता है।

संजीव ठाकुर

जब इन 3 संक्रमणों से बचाव मुमकिन है तो क्यों बच्चे इनसे संक्रमित जन्में?

जब एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सिफ़िलिस संक्रमणों से बचाव मुमकिन है तो कोई भी बच्चा क्यों इनसे संक्रमित जन्में? सरकारों ने भी वायदा किया है कि 2030 तक एक भी बच्चा गर्भावस्था और जन्म के समय इनसे संक्रमित नहीं होगा। इस दिशा में कार्य तो हुआ है परंतु इस संदर्भ में अभी भी स्वास्थ्य सेवा अनेक देशों में असंतोषजनक है।

सरकारों ने सतत विकास लक्ष्य में यह वायदा किया है कि 2030 तक एड्स, वायरल हेपेटाइटिस और सिफ़िलिस जैसे संक्रमणों का उन्मूलन होगा। परंतु अधिकांश देशों में इस दिशा में हुई प्रगति असंतोषजनक है और वे इन लक्ष्यों से अभी भी बहुत दूर हैं। यदि पुरुष या महिला साथी को एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी या सिफ़िलिस संक्रमण हों तो जांच - इलाज ज़रूर करवाना चाहिए। गर्भावस्था और प्रसूति के दौरान महिला से नवजात शिशु एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सिफ़िलिस से संक्रमित हो सकता है। इसके अतिरिक्त, एचआईवी के संक्रमण का ख़तरा स्तनपान के दौरान भी रहता है। इन तीनों संक्रमण के कारण गर्भावस्था के दौरान अवांछित परिणाम हो सकते हैं और महिला और जन्म-उपरांत बच्चे को दीर्घकालिक नकारात्मक परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।

बिना सही इलाज और देखभाल के, एचआईवी पॉजिटिव महिला से बच्चे को एचआईवी संक्रमित होने का खतरा 45% रहता है जिसके कारण स्वास्थ्य और विकास पर कुपरिणाम और असामयिक मृत्यु का खतरा भी बना रहता है। इसी तरह, बिना इलाज और टीकाकरण के, हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव महिलाओं के जन्मे बच्चों को हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित होने का ख़तरा 70% से 90% तक रहता है।

गर्भावस्था के दौरान सिफ़िलिस के कारण जन्मजात विसंगतियां हो सकती हैं, बच्चा मृत हो सकता है, समय से पहले जन्म ले सकता है, जन्म के समय बच्चे का वजन कम हो सकता है और जन्म के बाद भी असामयिक मृत्यु का खतरा बना रहता है। इसीलिए, पिछले सप्ताह विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक विशेष मार्गनिर्देशिका जारी की है जिसके उपयोग से एशिया पसिफ़िक क्षेत्र के देश 2030 तक यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चा इन 3 संक्रमणों से मुक्त जन्म ले। इसके पूर्व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसी आशय से 2018-2030 के लिए भी एक महत्वपूर्ण मार्गनिर्देशिका जारी की थी जिसके फलस्वरूप बच्चों को जन्म के दौरान एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सिफ़िलिस संक्रमण होने की दर में गिरावट तो आई परंतु अनेक देशों में यह संतोषजनक नहीं है।

वायदा पूरा करने लिए केवल 68 माह शेष हैं

2030 तक यह सुनिश्चित करने के लिए कि एक भी बच्चा एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सिफ़िलिस से संक्रमित न जन्में, अब 6 साल से भी कम समय शेष है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि-

» महिला और उसके पुरुष साथी की एचआईवी, सिफ़िलिस और हेपेटाइटिस-बी की प्रसवपूर्व जांच हो

» मार्गनिर्देशिका के अनुसार महिला और उसके पुरुष साथी को एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सिफ़िलिस संबंधित सही इलाज और देखभाल मिले

» सुरक्षित स्वस्थ मातृत्व, गर्भावस्था और प्रसूति और बच्चे को सही पोषण मिले

» हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण हो, इम्यूनो-ग्लोबुलिन और एचआईवी से बचाव के लिए दवाएं मिले

विश्वभर के एचआईवी के साथ जीवित 9% बच्चे एशिया पसिफ़िक में हैं

संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में 14 लाख बच्चे एचआईवी के साथ जीवित हैं। इनमें से 9% (1.2 लाख) एशिया पसिफ़िक देशों में हैं।

एशिया पसिफ़िक क्षेत्र में सबसे अधिक एचआईवी पॉजिटिव बच्चे इंडोनेशिया में हैं (26%) और उसके बाद भारत में हैं (23%).

अमीर देशों में 1994 में ही दुनिया की पहली दवा (ज़िडोवुडिन) देनी शुरू हो गई थी जिससे कि एचआईवी पॉजिटिव गर्भवती महिला से बच्चे को एचआईवी संक्रमण फैलने का खतरा अत्यधिक कम हो सके।

भारत में भी 1994 में एक ग़ैर-सरकारी संगठन ने मुंबई में इस दवा का उपयोग आरम्भ कर दिया था परंतु सरकारी कार्यक्रम में यह प्रयास 2002 से शामिल हो सका।

आज के समय में अत्यंत प्रभावकारी इलाज हैं जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बच्चा एचआईवी से संक्रमित न जन्मे और स्तनपान के दौरान भी एचआईवी मुक्त रहे।

संयुक्त राष्ट्र के एड्स कार्यक्रम (यूएन एड्स) के एशिया पसिफ़िक निदेशक इमोन मर्फ़ी ने कहा कि 2010 की तुलना में 2023 तक बच्चों में एचआईवी संक्रमण दर में 62% गिरावट आई है- 2010 में 3 लाख से अधिक बच्चे एचआईवी संक्रमित जन्में थे जबकि 2023 में 1.2 लाख ही बच्चे एचआईवी संक्रमित जन्मे। परंतु यह गिरावट संतोषजनक नहीं है क्योंकि यह संभव है कि हम हर बच्चे के लिए एचआईवी, हेपेटाइटिस और सिफ़िलिस मुक्त जन्म सुनिश्चित कर सकें।

हेपेटाइटिस-बी एक गंभीर चुनौती

एचआईवी, सिफ़िलिस और हेपेटाइटिस-बी संक्रमण दर को देखें तो सबसे अधिक फैलाव हेपेटाइटिस-बी संक्रमण का है और अनेक जगह या समुदाय में तो एचआईवी और सीफ़िलिस की दर के मुक़ाबले हेपेटाइटिस-बी दर अनेक गुणा अधिक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया की जो आबादी हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित है और जिसको जांच-इलाज मुहैया नहीं है, उसकी दो-तिहाई तो पश्चिमी पसिफ़िक और दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हेपेटाइटिस-बी का टीका है परंतु टीकाकरण सभी पात्र लोगों को नहीं मिला है। हेपेटाइटिस-बी टीके से न सिर्फ हेपेटाइटिस-बी संक्रमण से बचाव होता है बल्कि हेपेटाइटिस-बी रोग के गंभीर और दीर्घकालिक परिणामों से भी बचाव होता है (जैसे कि लिवर सिरहोसिस या लिवर कैंसर)।

पश्चिमी पसिफ़िक देशों में लगभग 6% व्यस्क आबादी, हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित हैं और लगभग 5 लाख लोग हर साल इसके कारण मृत होते हैं। दक्षिण-पूर्वी एशिया में लगभग 2 लाख लोग हेपेटाइटिस-बी के कारण एक साल में मृत हुए थे।

अमीर-गरीब के फ़र्क़ से अछूता नहीं है हेपेटाइटिस-बी कार्यक्रम

अमीर के लिए बेहतर उच्च-स्तरीय स्वास्थ्य व्यवस्था और गरीब के लिए जर्जर या नगण्य स्वास्थ्य सेवा हेपेटाइटिस-बी के संदर्भ में भी सही उतरती है।

एशिया पसिफ़िक के अमीर देशों में 1 साल की उम्र के लगभग 100% बच्चों को नियमानुसार हेपेटाइटिस-बी टीके की सभी खुराक मिल चुकी थीं जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के लक्ष्य (95%) से अधिक था।

परंतु माध्यम और कम-आय वाले देशों में स्थिति ऐसी संतोषजनक नहीं है क्योंकि पात्र बच्चों में अधिकतम टीकाकरण 75% था जो रोग के फैलाव को रोकने के लिए और आबादी को संक्रमण से बचाने के लिए अपर्याप्त है। कुछ देशों में तो आम टीके जो बच्चों को लगने चाहिए उनकी दर भी असंतोषजनक थी।

यौन रोग आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं परंतु जो हैं वह भयावह हैं

यौन रोग संबंधित आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। परंतु जो आंकड़े रिपोर्ट हो रहे हैं वह अत्यंत चिंताजनक हैं। एक साल में पश्चिमी पसिफ़िक क्षेत्र से 11 लाख से अधिक लोग और दक्षिण-पूर्वी एशिया से 3.5 लाख लोग सिफ़िलिस से संक्रमित रिपोर्ट हुए।

सिफ़िलिस से बचाव मुमकिन है और यदि संक्रमण हो भी जाए तो इलाज भी उपलब्ध है।

डॉ ईश्वर गिलाडा जो जिनेवा-स्थित इंटरनेशनल एड्स सोसाइटी (आईएएस) के अध्यक्षीय मण्डल में निर्वाचित सदस्य हैं और एशिया पसिफ़िक क्षेत्र में आईएएस के अध्यक्ष, ने कहा कि जब अमीर देशों ने 1994 में पहली बार ज़िडोवुडिन दवा देनी शुरू की जिससे कि बच्चों को एचआईवी संक्रमण होने का खतरा नगण्य रहे, तब उसी साल उनके प्रयास से मुंबई में इंडियन हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (जिसको अब पीपल्स हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के नाम से जाना जाता है) ने भी इस दवा का उपयोग आरंभ किया। यह प्रयास, आईएचओ और वाडिया मॉडल ने अंतर्गत संपन्न हुआ था। भारत सरकार ने आठ वर्ष बाद (2002 से) गर्भवती एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं को ऐसी दवा देनी आरम्भ की जिससे कि शिशु एचआईवी मुक्त रहे।

डॉ गिलाडा ने भारत की सबसे पहली एचआईवी क्लिनिक 1986 में मुंबई के सरकारी जेजे अस्पताल में स्थापित की थी और 1994 में देश का पहला ऐसा केन्द्र स्थापित किया जहाँ एचआईवी के साथ जीवित लोगों को हर प्रकार की आधुनिकतम चिकित्सकीय सेवा प्रदान की जा सके। इस केंद्र को यूनिसन मेडिकेयर एंड रिसर्च सेंटर, मुंबई, के नाम से जाना जाता है।

डॉ गिलाडा ने आह्वान किया कि जब वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दवाएं सालों से उपलब्ध हैं जिससे कि बच्चा एचआईवी संक्रमण से मुक्त रहे तो इस बात को कैसे स्वीकार किया जा सकता है कि एशिया पसिफ़िक देशों में आज भी एचआईवी संक्रमित बच्चे जन्म लेते है। उन्होंने कहा कि उनके मुंबई-स्थित यूनिसन मेडिकेयर एंड रिसर्च सेंटर में पिछले 10 सालों में एचआईवी पॉजिटिव गर्भवती महिलाओं ने 220 एचआईवी मुक्त बच्चों को जन्म दिया। जब वे अपने केंद्र में आयुर्विज्ञान पर आधारित और विश्व स्वास्थ्य संगठन की मार्गनिर्देशिका पर आधारित चिकित्सकीय देखभाल से यह हासिल कर सकते हैं तो फिर देश भर में यह क्यों नहीं हो सकता कि सभी बच्चे एचआईवी मुक्त जन्म लें?

हेपेटाइटिस-बी टीका सस्ता है फिर भी टीकाकरण संतोषजनक क्यों नहीं?

डॉ गिलाडा का कहना है कि हेपेटाइटिस-बी की रोकथाम तो टीके से हो सकती है। अब हेपेटाइटिस-बी टीका सस्ता भी है और टीकाकरण की सभी खुराकों की क़ीमत रु 100 से भी कम है तो फिर लाखों लोग क्यों हेपेटाइटिस-बी के कारण पीड़ित हैं? डॉ गिलाडा ने कहा कि अनेक ऐसे अवसर हैं जहाँ हम टीकाकरण कर सकते हैं क्योंकि हम लोगों की हेपेटाइटिस-बी जांच तो करते ही हैं तो फिर पात्र लोगों को टीका क्यों नहीं देते? उदाहरण के तौर पर, रक्त दान शिविर, अस्पताल भर्ती, प्रजनन संबंधित स्वास्थ्य केंद्र, यौन संक्रमण संबंधित स्वास्थ्य केंद्र, एचआईवी संबंधित स्वास्थ्य केंद्र, सर्जरी या शल्य चिकित्सा के पहले, अप्रवासन के पूर्व, आदि में हेपेटाइटिस-बी जांच होती है। जो लोग नेगेटिव रिपोर्ट होते हैं उनको टीकाकरण देना महत्वपूर्ण है।

यूएन एड्स के एशिया पसिफ़िक निदेशक इमोन मर्फ़ी ने कहा कि एशिया पसिफ़िक क्षेत्र में 2023 में 10,000 बच्चे एचआईवी से संक्रमित हुए थे - 30 बच्चे प्रतिदिन एचआईवी से संक्रमित हुए। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? हर बच्चे को एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सिफ़िलिस से बचाना ज़रूरी है।

इंडोनेशिया की एचआईवी पॉजिटिव महिला संगठन की आया ऑक्टेरियानी ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि स्वास्थ्य अधिकार सबके लिए समान अधिकार नहीं है, बल्कि केवल चंद लोगों के लिए ही विशेषाधिकार है। इस ग़ैर-बराबरी को ख़त्म करना ज़रूरी है। सबके लिए समान स्वास्थ्य अधिकार होना चाहिए। महिलाओं को अनेक गुणा अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि उन्हें जेंडर असमानता, एचआईवी संबंधित शोषण और भेदभाव, जेंडर-आधारित हिंसा भी झेलनी पड़ती हैं। आया की संगठन ने यह साबित किया है कि एचआईवी के साथ जीवित महिलाओं के समूह एक सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं और महिलाओं और बच्चों की देखभाल के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि हर बच्चा एचआईवी मुक्त जन्म ले। जन्म उपरांत भी बच्चे के स्वास्थ्य की पूरी देखभाल और महिला को जीवनरक्षक एंटीरेट्रोवायरल दवाएं अधिकार स्वरूप सम्मान के साथ मिलनी चाहिए।

2016 से थाईलैंड में सभी बच्चे जन्मे एचआईवी और सिफ़िलिस मुक्त

थाईलैंड पूरे एशिया पसिफ़िक क्षेत्र में पहला देश है जहाँ 2016 से हर बच्चा एचआईवी या सीफ़िलिस मुक्त जन्मा। जब 1994 में विश्व में पहली बार अमीर देशों में ज़िडोवुडिन दवा का उपयोग शुरू हुआ जिससे बच्चे एचआईवी मुक्त जन्म ले सकें तो थाईलैंड में 1996 में यह दवा दी जाने लगी। थाईलैंड की स्वास्थ्य व्यवस्था सराहनीय है, विशेषकर इसलिए कि उसने दशकों से जन स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। थाईलैंड के बाद 2018-2019 में मलेशिया और श्री लंका ने भी यह लक्ष्य हासिल कर लिया कि हर बच्चा एचआईवी और सिफ़िलिस मुक्त जन्मे। एशिया पसिफ़िक क्षेत्र में कुछ अन्य देश (जैसे कि भूटान, कंबोडिया, चाइना और मंगोलिया) भी लक्ष्य हासिल करने वाले हैं या उसके क़रीब हैं।

जब सरकारें वैश्विक लक्ष्यों पर मोहर लगाती हैं तो फिर जवाबदेही तो बनती ही है। जब सालों या दशकों से यह संभव है कि बच्चे रोग-मुक्त जन्म लें, ख़ासकर कि एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सिफ़िलिस संक्रमण के संदर्भ में, तो यह लक्ष्य पूरा क्यों नहीं हुआ है? उम्मीद तो क़ायम है कि जल्दी ही ग़ैर-बराबरी समाप्त होगी और अमीर-गरीब सबके लिए ये लक्ष्य पूरे होंगे।

शोभा शुक्ला, बॉबी रमाकांत

संपादकीय

संविधान सम्मत आचरण- विकसित भारत की आधारशिला

भारत जब 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य है कि हम एक विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व के समक्ष खड़े हों। लेकिन यह विकास केवल ऊँची इमारतों, उद्योगिक उन्नति,डिजिटल क्रांति और तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था से ही नहीं मापा जाएगा। असली कसौटी यह होगी कि क्या भारत के नागरिक संवैधानिक मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात कर चुके हैं। इस पर विचार करना उस समय और भी ज्यादा आवश्यक हो जाता है जब हर भारतीय भारत-रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की 134 वी जयंती पूर्ण हर्षोल्लास से मना रहा है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित भारतीय संविधान हमें न केवल अधिकार देता है, बल्कि उत्तरदायित्व की भावना भी जगाता है। न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व–ये शब्द केवल किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि हमारे सोच और व्यवहार में उतरें, तभी हम सच्चे अर्थों में "विकसित भारत" की परिकल्पना साकार कर सकते हैं। आज हम देख रहे हैं कि जैसे-जैसे सामाजिक और राजनीतिक चेतना बढ़ रही है, नागरिक अधिकारों को लेकर जागरूकता भी बढ़ी है। लेकिन अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी बराबर महत्व देना जरूरी है। सड़क पर कानून हाथ में लेना, हिंसक विरोध प्रदर्शन करना या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना–ये सब संविधान की मूल भावना के विपरीत हैं।

हाल के वर्षों में नागरिकता संशोधन कानून, कृषि बिल, 370 का हटना,वक्फ बिल संशोधन या आरक्षण जैसे मुद्दों पर हुए आंदोलनों में कहीं न कहीं यह देखने को मिला कि असहमति के स्वर कभी-कभी असंवेदनशील आचरण में बदल गए। क्या लोकतंत्र का यह रूप गांधीजी के अहिंसा सिद्धांत से मेल खाता है? क्या भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की धरती पर हिंसा के लिए कोई स्थान होना चाहिए? राष्ट्र पिता गांधीजी और संविधान निर्माता बाबा साहेब दोनों ने स्पष्ट किया था कि विरोध का मार्ग हमेशा अहिंसा और संवाद होना चाहिए। आज आवश्यकता है कि हम 'असहमति के अधिकार' का प्रयोग करते समय 'संविधान सम्मत मर्यादा' का पालन करें। न्यायपालिका, जन-याचिकाएं, जन संवाद–ये लोकतंत्र के ऐसे उपकरण हैं जो हर नागरिक को अपने विचार रखने का मंच प्रदान करते हैं।

मेरा ऐसा मानना है कि विकसित भारत की संकल्पना तब ही साकार होगी जब-हर नागरिक को संविधान सम्मत नियम,कानून पर विश्वास हो, सामाजिक, प्रायवेट तथा सरकारी संस्थाएं पारदर्शी तथा उत्तरदायी हों,और समाज में विश्वास, सहिष्णुता और समानता का वातावरण हो।

हम सब इस तथ्य से परिचित हैं कि 21वीं सदी का भारत टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इस चमकदार विकास के साथ अगर नैतिक गिरावट आती रही, तो यह प्रगति खोखली हो जाएगी। इसलिए ज़रूरत है कि हम हर स्तर पर संविधान के आदर्शों का समर्थन करें, सम्मान करें और सबसे बड़ी बात व्यवहार में उतारें। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि ÷संविधान का सम्मान केवल उसकी चर्चा करने से,उसकी प्रतिलिपि को हाथ में लेने से नहीं होता,अपितु तब होता है जब हम उसे अपने विचारों, शब्दों और कर्मों में जीते हैं।"

डा. मनमोहन प्रकाश

बेलगाम फीस की वसूली- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम कब लगेगी?

प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस में बेलगाम बढ़ोतरी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों में मुनाफा कमाने का लालच इस कदर बढ़ता जा रहा है कि वे सारी सीमाओं को तोड़ते जा रहे हैं। स्कूल से जबरदस्ती महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने का मामला हो या फिर तय की गई दुकानों से ही घटिया क्वालिटी की ड्रेस ज्यादा कीमत पर खरीदने का दबाव हो, ऐसा लगता है कि इनपर कोई कानून या नियम लागू नहीं होता है। प्राइवेट स्कूलों की लॉबी इतनी ज्यादा मजबूत हो गई है कि अब इन्हें सरकारों का भी कोई भय नहीं रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के एक नामी-गिरामी स्कूल से ऐसी खबर आई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली के एक बड़े स्कूल ने तो बच्चों को ही बंधक बना लिया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली के एक बड़े स्कूल में फीस बढ़ोतरी को लेकर वहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिवावक प्रदर्शन कर रहे थे और इस बीच स्कूल के प्रबंधकों ने कुछ बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बना लिया। एक न्यूज चैनल ने तो यहां तक दावा किया है कि बच्चों को लाइब्रेरी में बंद करने के मामले की जांच साउथ वेस्ट डीएम लक्ष्य सिंहल ने की और उन्होंने यह भी माना कि जब वे जांच करने स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को लाइब्रेरी में बैठे हुए पाया। डीएम ने जांच की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेज दी है। उम्मीद करते हैं कि दिल्ली की बीजेपी सरकार इस स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एक उदाहरण सेट करेगी ताकि भविष्य में कोई भी स्कूल इस तरह की हरकत करने के बारे में सोच भी नहीं सके।

दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों के बाहर मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिवावक प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं वसंतकुंज स्थित एक प्राइवेट स्कूल ने तो अभिभावकों के स्कूल परिसर में आने पर प्रतिबंध तक लगा दिया है। सही मायनों में कहा जाए तो यह स्कूलों की तानाशाही है और इस देश की सरकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई तरह के सवाल खड़े करती है।

देश की राजधानी दिल्ली में 1700 के लगभग प्राइवेट स्कूल हैं। इनमें सरकारी जमीन पर बने प्राइवेट स्कूल 448 हैं। सरकार द्वारा बनाए गए नियम के हिसाब से सभी स्कूलों को हर साल फाइनेंशियल स्टेटमेंट देना जरूरी होता है। अगर शिक्षा निदेशालय को फीस बढ़ोतरी गलत लगती है, तो वो इसे रोक सकती है और स्कूल को बढ़ी हुई फीस अभिवावकों को वापस देनी होगी। लेकिन सरकार चुप है, अधिकारी अपना काम नहीं कर रहे हैं और इसका नतीजा स्कूलों की मनमानी के रूप में सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों ने 10 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। ये स्कूल ट्यूशन फीस, डिवेलपमेंट फीस, ट्रांसपोर्ट फीस के अलावा ओरिएंटेशन

फीस, एसी, स्कूल ऐप और स्मार्ट क्लास के नाम पर भी तगड़ी वसूली कर रहे हैं।

दिल्ली की बीजेपी सरकार के लिए यह एक बड़ी चुनौती से कम नहीं है। क्योंकि उनकी सरकार बनने के बाद शुरू हुए स्कूलों के नए सत्र में ही यह फीस बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर दिल्ली के लोगों को यह लगने लगा है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद ही दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों के मालिकों में मनमानी करने की हिम्मत आ गई है। यह बात अगर दिल्लीवासियों के मन में बैठ गई तो फिर बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएगी। आम आदमी पार्टी इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश लगातार कर रही है। समय की यह मांग है कि सरकार आगे आए और इन प्राइवेट स्कूलों की दादागिरी, मनमानी और तानाशाही भरे रवैए पर रोक लगाए या फिर कड़ी कार्रवाई करें। हालांकि यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि प्राइवेट स्कूलों की यह मनमानी किसी एक शहर या किसी एक राज्य तक ही सीमित भर नहीं है।

बंगाल को मणिपुर मत बनने दो ममता जी

वक्फ क़ानून के मुद्दे को लेकर मुर्शिदाबाद सिर्फ सुलगा ही नहीं है बल्कि अब उसे मणिपुर बनाने की कोशिश की जा रही है। अब ये बंगाल की तृमूकां सरकार और आईएनडीआई ऐ गठबंधन कीभी जिम्मेदारी है की वो बंगाल को मणिपुर बनने से रोके। इससे पहले की आग पूरेंबंगाल में भड़के और केंद्र को बंगाल में मदाखलत करने का मौक़ा मिले, हिंसा पूरी तरह रुकना चाहिए। क्योंकि सत्तारूढ़ दल के लिए बंगाल की हिंसा सियासी जमीन बनाने में बहुत सहायक होने वाली है। बंगाली मुसलमानों को समझ लेना चाहिए कि किसी भी सूरत में बंगाल अब बांग्लादेश नहीं बन सकता।

वक्फ क़ानून के खिलाफ देश की आधी आबादी खड़ी है। वक्फ के नए कानून को सभी पक्षों ने अदालत में चुनौती दी है। अगर वाकई बंगाल की हिंसा के पीछे वक्फ बोर्ड क़ानून है तो बंगाल के मुसलमानों को अदालत के फैसलों का इन्तजार करना चाहिए। इन्तजार से पहले की बेकरारी घातक है। हिंसा से देश के किसी मुसलमान को कुछ भी हासिल नहीं होगा,उलटे देश में जो सद्भावना है वो और जाती रहेगी। बंगाल में भाजपा की नहीं तृमूकां की सरकार है ,इसलिए हिंसा रोकने का दायित्व उसका है। मणिपुर में तो भाजपा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी ,लेकिन वहां भी जब सरकार नाकाम साबित हो गयी तब मणिपुर को राष्ट्रपति शासन के सुपुर्द कर दिया गया। बंगाल में ऐसा करना तो केंद्र के लिए और आसान है। हिंसा मध्यप्रदेश में भी हुई और देश के दूसरे हिस्सों में भी । इसे हर सूरत में रोका जाना चाहिए,लेकिन ये तभी मुमकिन है जब राज्य सरकारें दृढ इच्छाशक्ति से काम करें,कदम उठायें पता नहीं इस देश के बहुसंख्यक हिन्दू और अल्पसंख्यक मुसलमान इस हकीकत को तस्लीम करेंगे कि किसी भी समस्या का हल हिंसा से होना नामुमकिन है। हिंसा एक आग है जो सिर्फ नुक्सान करती है। आग से कुछ हासिल नहीं होता। हिंसा सत्तापोषित हो या समाज पोषित काबिले बर्दाश्त नहीं है। देश को संविधान और विधान के हिसाब से चलना होगा। इसमें राजनीति नहीं हो सकत। नहीं होना चाहिए। जलते हुए जंगल से कभी खुशबू नहीं आती ,जलांध ही आती है। इससे सावधान रहने की जरूरत है।

हिंसा का एक ही रूप नहीं होत। हिंसा बहुरुपिया होती है। मेरे तमाम पाठकों ने मुझसे बंगाल की हिंसा की तुलना आगरा में करणी सेना के प्रदर्शन से न करने की बात कही है ,लेकिन मेरा मानना है की करनी सेना का प्रदर्शन और मुर्शिदाबाद या गुना में हिंसा का मकसद एक ही है और वो है समाज में तनाव पैदा करना। इसे अलग-अलग चश्मे से नहीं देखा जा सकता। जैसे मई कहता हूँ की मुसलमान हिंसा का रास्ता छोड़ें वैसे ही मै अपने राजपूत साथियों से भी कहता हूँ कि उन्हें समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन की टिप्पणी पर आग-बबूला नहीं होना चाहिए बल्कि अपनी प्रतिक्रिया संविधान कि दायरे में रहकर करना चाहिये। अब रामजीलाल सुमन तो मुसलमान नहीं हैं फिर उनकी किसी टिप्पणी पर आग-बबूला होने का मतलब ये है कि आप भावुक बहुत हैं व्यावहारिक नहीं।

दुर्भाग्य ये है कि उत्तर प्रदेश हो,मध्यप्रदेश हो,महाराष्ट्र हो या फिर बंगाल हो हिंसा को लेकर सभी राज्य सरकारों की जिम्मेदारी एक समान है क्योंकि मै बार-बार कहता हूँ कि हिंसा किसी भी समस्या का हल नहीं है। प्रतिकार कि लिए गांधीवाद से बड़ा कोई औजार हमारे देश में उपलब्ध नहीं है। गांधीवादी और अहिंसा के रास्ते पर चलकर हमने जो आजादी 1947 में हासिल की वो अहिंसा की मजबूती का सबसे बड़ा उदाहरण है।मुझे आशंका है की यदि ममता बनर्जी बंगाल में हिंसा को रोकने में नाकाम रहतीं है तो उन्हें बड़ा खामियाजा उठाना पड़ सकता है । भाजपा सरकार तो उनका शिकार करने लिए तैयार बैठी ही है। देश का दुर्भाग्य ये है की इस समय हमारे पास ऐसा एक भी नेता नहीं है जिसकी अपील पूरा देश सुनता हो। इस समय जो नेता हैं वे ताली और थाली तो बजवा सकते है किन्तु वे अपनी अपील से हिंसा रुकवा सकती हो।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

मोहम्मद्दी खीरी- ग्राम व पोस्ट मोहम्मदाबाद जिला लखीमपुर खीरी डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मोहम्मदाबाद व कई गांव के लोग एकत्रित होकर डीजे व गुलाल के साथ धूमधाम से अंबेडकर पार्क तकिया में जाकर शत-शत नमन किया मौके पर मोहम्मदाबाद के भूतपूर्व प्रधान श्री मुन्नालाल,रामपुर के भूतपूर्व प्रधान महेश चंद्र, बैंक मित्र तुलसीराम, जिला पंचायत सदस्य के उम्मीदवार राकेश कुमार शर्मा, मनोज कुमार, मोहम्मदाबाद के भूतपूर्व प्रधान कैलाश चंद्र, रुस्तम गाजी, प्रमोद कुमार, दीपक कुमार,अजय कुमार मौके पर पुलिस बल भी मौजूद रहा।

भीरा नगर पंचायत कार्यालय में मनाई गई डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की जयंती

भीरा-खीरी। भीरा नगर पंचायत कार्यालय में डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई।कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्षा चारू शुक्ल पुत्र नंदन शुक्ल,लेखपाल और सभासदगणों सहित अन्य लोग भी उपस्थित हुए।नगर पंचायत अध्यक्षा चारू शुक्ल और पुत्र नंदन शुक्ल ने सर्व प्रथम माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उपस्थित सभी लोगों ने जय जय कार की।भीरा नगर पंचायत अध्यक्षा चारू शुक्ल ने बाबा साहब के बारे में बताया कि संविधान हम सबके लिए संजीवनी बूटी है।हम सब चाहते हैं कि देश संविधान से चले और यह भी चाहते हैं कि जय जवान,जय किसान नारे के साथ साथ जय संविधान भी जोड़ देना चाहिए।इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने के कहा।समारोह के अंत में सभी को मिठाई वितरित की गई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पथ संचलन निकाला। स्वयंसेवकों का जगह-जगह फूल बरसा कर स्वागत किया गया

बिसवां सीतापुर सोमवार को पथ संचलन से पहले कस्बे के ऐतिहासिक रामलीला मैदान मेला में प्रांत के घोष प्रमुख संतोष जी ने देश के संविधान निर्माता डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह अपने पूरे जीवन बहुत सारी सामाजिक कुरीतियों का सामना करते हुए जीवन भर संघर्ष किया। वर्तमान में आज भारत फिर से विश्व गुरु बनने जा रहा है। संघ में जाति धर्म पंथ में विभाजित नहीं है। भारत के एक प्रचारक का पूरे विश्व में डंका बजा रहा है। शाखा, संघ की आत्मा है। संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है। इसके उपरांत पथ संचलन प्रारंभ हुआ जो रामलीला मैदान से निकल कर बस स्टॉप बिसवां, काला गेट,काजीटोला, मगरहिया बाजार हजीरा रायगंज बड़ा चौराहा से पोस्टर नगर पालिका से होते हुए पुनः रामलीला मैदान में आकर समाप्त हुआ।

अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उ. प्र.का अधिवेशन हुआ संपन्न

सीतापुर कृषि भवन के सभागार में अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उत्तर प्रदेश का प्रांतीय अधिवेशन एवं कार्यकारी गठन दिनांक 12 एवं 13 अप्रैल 2025 को कृषि भवन लखनऊ के सभागार में संपन्न हुआ। प्रदेश के समस्त जनपद/मंडल के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया चुनाव पर्यवेक्षक एल. एस.यादव उप कृषि निदेशक,चुनाव अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, सहायक चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, पंकज तिवारी एवं अशोक कुमार मौर्य द्वारा संपन्न कराई गई। प्रदेश अध्यक्ष पद पर श्री योगेंद्र यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष - आशीष कुमार महामंत्री - फईम अख्तर संगठन मंत्री - डॉ राजशेखर तथा कोषाध्यक्ष - जयप्रकाश गुप्ता विजयी घोषित किए गए! शपथ ग्रहण समारोह में कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर द्वारा निर्वाचित पदाधिकारीयों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया।

बाबा साहब की जयंती पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अम्बेडकर प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

● सपा जिला कार्यालय पर भी मनाई गई अम्बेडकर जयंती

प्रदेश अध्यक्ष जिला अध्यक्ष व सांसद आर के चौधरी भी रहे मौजूद

लखनऊ। सोमवार को लखनऊ में सपा जिला कार्यालय पर बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर की 134 वी जयंती मनाई गई। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा हजरतगंज स्थित भारत रत्न परम् पूज्य बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, जिसके पश्चात समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर में बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर जी की जयंती पर जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त', प्रदेश उपाध्यक्ष सी0एल0 वर्मा, सांसद आर0के0 चौधरी एवं जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान के साथ अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 में हुआ था, इन्होंने संविधान का निर्माण किया और कहा कि शिक्षत बनो, संघर्ष करो। डॉ0 साहब ने समाज की गैरबराबरी के विरूद्ध आन्दोलन किया। अपनी जाति के कारण आम्बेडकर जी को सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव सहन करना पड़ता था। समाजवादी पार्टी सदैव ही डॉ0 भीमराव आम्बेडकर जी के आदर्शों पर चलती आ रही है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव रामगोपाल यादव, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राजबाला रावत, जिला उपाध्यक्ष एवं जिला निर्वाचन प्रभारी टी0बी0 सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनिल पासी, बचान सिंह यादव,महामंत्री शब्बीर खान, गुड्डू लोधी,

इब्राहीम मंसूरी, बृजकिशोर मिश्रा, जमालुद्दीन बेग 'कल्लू', वरिष्ठ नेता भरत यादव, ब्लाक प्रमुख चिनहट ऊषा सेन, जिला कोषाध्यक्ष इस्तियाक अहमद, जिला प्रवक्ता रमेश सिंह 'रवि', लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष शशिलेन्द्र यादव, छात्रसभा जिलाध्यक्ष ओम कुमार लोधी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा महेन्द्र कुमार यादव, प्रदेश सचिव शिक्षक सभा अवधेश यादव, शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष दिवाकर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष लोहिया वाहिनी रामप्रकाश यादव, सदस्य जिला पंचायत निहाल अहमद, एडवोकेट राजू रावत, रामनाथ रावत, श्याम बाबू रावत, संजय रावत, विनोद लोधी, सतीश यादव, सूर्यभान यादव, शिवम यादव 'गोलू'के साथ सैकड़ों नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित किये।

ग्राम सभा कल्ली पूरब व चन्द्रावल में धूमधाम से मनी बाबा साहब की जयंती

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। विकास खंड सरोजनीनगर के ग्राम सभा कल्ली पूरब में सोमवार को भारत के संविधान शिल्पी गरीबों वंचितों दलितों पिछड़ों के लिय? संघर्ष करने वाले महापुरुष डा.भीम राव अम्बेडकर की 134 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई।इस अवसर पर ग्राम प्रधान राम खेलावन रावत सचिव अमित सिंह व ग्रामीणों द्वारा प्रभात फेरी भी निकाली गई। इस उपलक्ष्य में ग्राम प्रधान द्वारा भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया। सचिव अमित सिंह ने संविधान निर्माता भीमराव आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहब ने गरीबों वंचितों दलितों पिछड़े लोगों के लिए हमेशा सघर्ष किया। सभी को न्याय मिले इसलिए उन्होंने संविधान को लिखा और लागू किया। अमित सिंह ने कहा कि हमें बाबा साहेब के आदर्शों पर चलना चाहिए। कार्यक्रम आज ग्राम सभा चंद्रावल के मजरा सादुल्ला खेड़ा एवं लक्ष्मण खेड़ा में सभी ग्राम वासियों के साथ में पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमित तिवारी, मण्डल महामंत्री भाजपा अनुज पाल, सूरज रावत, बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

बाबा भीमराव अंबेडकर की 134वी जयंती के अवसर पर

● प्रतिमा पर माल्यार्पण कर निकाली गई शोभा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां/ सीतापुर भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर की 134 वी जयंती के अवसर पर भीमराव अंबेडकर सेवा समिति झज्जर के तत्वाधान में बौध बिहार में अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक शोभायात्रा नगर में निकाली गई जो मंसाराम चुंगी जहांगीराबाद बस स्टॉप बड़े चौराहे पर होते हुए राजकीय बस स्टॉप पर अंबेडकर मूर्ति पर समाप्त हुई ।शोभायात्रा में सजीव झांकी भी प्रस्तुत की गई। शोभा यात्रा में ढोल नगाड़े बजाते लोग नाचते गाते चल रहे थे ।राजकीय बस स्टॉप पर लगी अंबेडकर मूर्ति पर शोभायात्रा का समापन हुआ ।उसके बाद शिक्षकों द्वारा एक भंडारे का आयोजन किया गया।

जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया ।इस अवसर पर राम अवतार देशराज चौधरी अयोध्या प्रसाद चौधरी शिव प्रकाश विक्रम गया प्रसाद चौधरी संजय सोनू आलोक भागीरथ सहित भारी संख्या में जय भीम के कार्यकर्ता व लोग मौजूद रहे। इसी क्रम में कांग्रेस जनों ने भी अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया ।जिसमें नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमर मेहरोत्रा आई टी सेल के प्रदेश सचिव रजनीश मिश्रा मुजीब खान सहित कांग्रेस के लोग शामिल रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक चालक अधेड़ की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

ड्रमंडगंज। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान के पास रविवार की देर रात साढ़े ग्यारह बजे के करीब अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल 52 वर्षीय बाइक चालक अधेड़ की मौत हो गई। क्षेत्र के कटरा देवहट गांव निवासी जितेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मैनेजर सिंह रविवार की रात लहुरियादह गांव से बाइक से अपने घर जा रहे थे जैसे ही ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान से सौ मीटर पहले पहुंचे तो किसी अज्ञात वाहन का धक्का लगने से बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सरोज एस आई अखिलेश यादव ने घटना की जांच करते हुए घायल मैनेजर सिंह को उपचार हेतु एंबुलेंस से सीएचसी लालगंज भिजवाया। एंबुलेंस सेवा 108 के पायलट दिलीप यादव ईएमटी मिथिलेश कुमार घायल को लेकर सीएचसी लालगंज पहुंचे जहां चिकित्सक ने देखते ही जितेन्द्र प्रताप सिंह को मृत घोषित कर दिया।

समस्तीपुर में बदमाशों ने मंदिर से अष्टधातु की 150 साल पुरानी मूर्तियां लूटे, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में सोमवार की सुबह बदमाशों ने लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया।जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के भुसवर गांव के ठाकुरबाड़ी स्थित रामजानकी मंदिर में तीन हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने रामजानकी मंदिर पर धावा बोलकर हथियार के बल पर मंदिर के पुजारी से मंदिर का ताला खुलवाया और वहां स्थापित अष्टधातु से निर्मित भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की बहुमूल्य मूर्तियां लूट कर फरार हो गए। इस दौरान लूटेरों ने मंदिर में रखी सोने और चांदी की माला तथा चांदी का मुकुट भी लूट लिया। घटना सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच की बताई गयी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मंदिर परिसर में पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और लुटेरों की तलाश में जुटी है। इस संबंध में मंदिर के पुजारी राम कैलाश दास ने बताया कि आज तड़के 3 बजे जब वे मंदिर में सोए हुए थे, तब बदमाशों ने मंदिर में घुसकर उन्हें थप्पड़ मारकर जगाया और सर में पिस्टल सटाकर मंदिर की चाबी मांगी। वहीं पुजारी के विरोध करने पर जबरन चाबी छीन ली और मंदिर का दरवाजा खोलकर राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियों को लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पुजारी के शोर मचाने पर गांव के लोग जुटे, लेकिन तब तक सभी बदमाश फरार हो चुके थे। बताया जा रहा है कि ये मूर्तियां अष्टधातु से बनी हुई थीं और करीब 150 साल पुरानी थीं और इसकी की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए होगी।

इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में गुस्से का माहौल है। लोगों का कहना है कि विभूतिपुर इलाके की ठाकुरबाड़ीयों में लगातार चोरी की घटना हो रही है। इससे पहले आलमपुर कोदरिया, नरहन और महथी बड़ी की ठाकुरबाड़ियों से अष्टधातु की मूर्तियां चोरी हो चुकी हैं। कुछ मामलों में तो चोरों ने विरोध करने पर सेवक की हत्या भी कर दी थी। इस मामले में विभूतिपुर थाना अध्यक्ष आनंद कश्यप ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस को घटनास्थल पर भेजा गया। घटना के बारे में पुजारी से पूछताछ की गयी है, जिसके आधार पर मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर कांड का खुलासा किया जाएगा।

शिक्षा और शराब आमने-सामने

● शिक्षण संस्थानों के आस-पास शराब की दुकान, नौनिहालों का उज्ज्वल भविष्य खतरे में

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर- शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति का दावा करने वाले जिले में एक गंभीर समस्या सामने आई है, जहां शिक्षण संस्थानों के आस-पास खुलेआम शराब और बियर की दुकान चलाई जा रही हैं। यह स्थिति न केवल छात्रों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए घातक है, बल्कि जिले के समूचे शैक्षिक वातावरण को भी दूषित कर रही है।

शिक्षण संस्थानों के पास शराब की बिक्री - एक चिंताजनक स्थिति

जिले के नगर स्थित भण्डारी पुलिस चौकी निकट स्कूल के पास शराब की दुकान बिना किसी रोक-टोक के संचालित हो रही हैं। छात्र-छात्राओं को रोज़ाना इन दुकानों के सामने से गुजरना पड़ता है। किशोरों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे यह एक बड़ा कारण माना जा रहा है। कई बार छात्र उत्सुकता या दबाव में आकर इसका सेवन शुरू कर देते हैं, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो सकता है।

अभिभावकों और शिक्षकों की बढ़ती चिंता

शिक्षकों और अभिभावकों ने इस पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। स्थानीय विद्यालयों के शिक्षक कहते हैं कि बच्चे कक्षा में ध्यान नहीं दे पा रहे हैं, अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने में हिचकिचा रहे हैं। एक स्थानीय निवासी श्रीमती गुप्ता कहती हैं, "हम बच्चों को पढ़ने भेजते हैं, लेकिन स्कूल के बाहर ही अगर नशे का माहौल हो तो कैसे उम्मीद करें कि वे पढ़-लिखकर कुछ बन पाएंगे?"

प्रशासन की उदासीनता पर सवाल

स्थानीय प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। बार-बार शिकायतों और ज्ञापन देने के बावजूद शराब की दुकान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का कहना है कि शराब माफियाओं की पहुंच प्रशासनिक तंत्र तक है, जिससे कार्रवाई रुक जाती है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी उठाई आवाज़

सामाजिक संगठनों और युवाओं ने इस स्थिति के खिलाफ आवाज़ उठानी शुरू कर दी है। उन्होंने मांग की है कि स्कूलों और कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में शराब की किसी भी दुकान को चलाने की अनुमति न दी जाए। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा है।

सरकार से मांग- शिक्षा को मिले प्राथमिकता

स्थानीय जनता की मांग है कि राज्य सरकार इस विषय पर तुरंत संज्ञान ले और आवश्यक नीति परिवर्तन करे। शिक्षा को शराब के धंधे की बलि चढ़ने से रोका जाए। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य गहरे संकट में पड़ सकता है।

अम्बेडकर जयंती पर निकाले गए जुलूस का जलालपुर में भव्य स्वागत, 500 से अधिक लोगों को पिलाया गया रूह अफजा

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर, जलालपुर। अम्बेडकर जयंती के अवसर पर जलालपुर बाजार में निकाले गए भव्य जुलूस का बाजार वासियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जयमाला परिवार के बाबू सलीम, बाबू वसीम, मेहनाज, रियाज, वाजिद अली, सोहराब, रूस्तम और रेहान द्वारा विशेष इंतजाम किए गए। गर्म मौसम को देखते हुए जुलूस में शामिल प्रतिभागियों को रूह अफजा शर्बत पिलाकर स्वागत किया गया। सिरकोनी, इजरी, सेहमलपुर और लालपुर से आए अलग-अलग जुलूसों में सम्मिलित करीब 500 से अधिक लोगों ने इस ताजगी भरे पेय का आनंद उठाया। जुलूस में शामिल लोगों और राहगीरों ने जयमाला परिवार की इस सेवा भावना की सराहना की और कहा कि यह कार्य सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का उत्कृष्ट उदाहरण है। आयोजकों का कहना है कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं तथा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाते हैं। इस भव्य जुलूस में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ-साथ बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष बात यह रही कि जयमाला परिवार के छोटे-छोटे बच्चें अयान, अरहान, सनवेग, अंशवेग और जीशान ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और लोगों को शर्बत पिलाकर सेवा में योगदान दिया।

नगर पंचायत बदलापुर में नए कार्यों के क्रियान्वयन का क्रम नगर पंचायत बदलापुर चेयर मैंन सीमा सिंह के संयोजकत्व में जारी

● लगभग 17लाख रुपए की लगत 8 नए इंटर लॉकिंग निर्माण कार्य हेतु हुआ भूमिपूजन

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। बदलापुर नगर पंचायत के अन्तर्गत विभिन्न वार्डों में नवनिर्मित कार्य हेतु सोमवार को नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा सिंह के प्रतिनिधि वैभव सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमिपूजन किया। गौरतलब हो कि चेयरमैन प्रतिनिधि ने वार्ड नं 2 हंकारपुर में लालजी शर्मा के मकान से अवधेश सिंह, प्रेमचंद गुप्ता के मकान से बबलू शर्मा, वार्ड नं 8 भलुआही में लल्लू सेठ से राजकुमार, अमरनाथ शर्मा के मकान से प्रमोद मिश्रा, आलोक दुबे के मकान से अवनीश तिवारी, इ. ला. सड़क से राजेन्द्र यादव,वार्ड नं 9 सरोखनपुर में अनिल शुक्ला के मकान से अरुण पुजारी, वार्ड नं 1 में इंटर लॉकिंग सड़क से राजकुमार मौर्य के मकान तक कुल 8 नए इंटर लॉकिंग निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया। श्री सिंह ने बताया कि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। यह मार्ग बन जाने से बरसात में लोगों को किचड़ व आवागमन में सुविधा होगी। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत तिवारी, माता प्रसाद उपाध्याय, बीके बोस केवल सिंह, हरिनाथ मौर्य, लक्ष्मण सिंह मोनू, संदीप शुक्ल, राजेश साहू, आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तम जीवन के लिए तन और मन का स्वस्थ होना जरूरी

● उत्तम पीढ़ी के लिए प्रथम गर्भाधान संस्कार का विधिवत पालन करना चाहिए

भागवत कथाकार आचार्य ब्रह्मानन्द शुक्ल ने अभिमन्यु, प्रह्लाद एवं शुकदेव का दिया उदाहरण

डॉ भवदेव पाण्डेय संस्थान में भागवत सप्ताह के दूसरे दिन उमड़ी भीड़

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। जीवन को सार्थक बनाने के लिए तन-मन का स्वस्थ होना आवश्यक है। तन को बीमारियों से बचाने के लिए औषधियों का प्रयोग किया जाता है जबकि मन को स्वस्थ रखने के लिए सदशास्त्रों का अध्ययन एवं भगवान के नाम को स्मरण आवश्यक है। उक्त उद्गार नगर के तिवराने टोला स्थित डॉ भवदेव पाण्डेय शोध संस्थान में चल रहे श्रीमद्भागवत सप्ताह के दूसरे दिन प्रवचन करते हुए आचार्य डॉ ब्रह्मानन्द शुक्ल ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मन यदि नियंत्रण में है तो वह जीवन को उच्चता की ओर ले जाता है जबकि निम्नता की ओर जाने पर दानवी प्रवृत्ति का हो जाता है।

मन की तुलना पानी से करते हुए डॉ शुक्ल ने कहा कि जिस तरह पानी सदैव नीचे की ओर गिरता है, ठीक वैसे मन हमेशा नीचे की ओर भागता है। नीचे भागने पर पापकर्म होते हैं, जिसे करने में आनन्द तो बहुत आता है लेकिन उसका परिणाम कष्टदायक होता है। डॉक्टर शुक्ल ने कहा कि पानी को ऊपर की ओर ले जाने के लिए जतन करना पड़ता है और यंत्रों (मशीन) का सहारा लेना पड़ता है। डॉ शुक्ल ने कहा कि ऐसे ही ईश्वरी-आह्लाद के लिए भजन, कीर्तन, प्रभु स्मरण, नाम-जप आदि का सहारा लेना चाहिए।

कथा के दौरान आचार्य डॉ शुक्ल ने भगवान के वाराह अवतार सहित देवताओं एवं पौराणिक पात्रों की चर्चा की तथा कहा कि मनु-शतरूपा से सृष्टि की शुरुआत हुई। डॉक्टर शुक्ल ने कहा हमारे ऋषियों ने उत्तम संतान की उत्पत्ति के लिए प्रथम संस्कार गर्भाधान संस्कार को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि जैसे मकान की नींव मजबूत रखी जाती है, उसी तरह संतान उत्पत्ति की भी नींव मजबूत होनी चाहिए। इससे उत्तम पीढ़ी जन्म लेती है। इस संबन्ध में उन्होंने अभिमन्यु, प्रह्लाद एवं शुकदेव का नाम लिया। संगीतमयी कथा में भारी संख्या में नर-नारी उपस्थित थी। महाराज जी का स्वागत रेलवे, प्रयागराज के राजभाषा अधिकारी यथार्थ पाण्डेय ने किया।

पालिका में मनाया भीमराव अंबेडकर जयंती,नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने किया नमन

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती पर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने नगर पालिका के प्रधान कार्यालय पर शिवाजी हाल में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे,जहा उन्होंने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव राम जी अंबेडकर देश के संविधान निर्माता के साथ ही देश के आइडल है।उनके जीवन का आदर्श,संघर्ष और इतिहास ऐसा रहा है कि देश के प्रत्येक व्यक्ति को उनके जीवन से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है।

हम सभी को उनके जीवन आदर्शों को अपनाते हुए पूरे देश में समानता और जो हमारे देश के पीएम नरेंद्र मोदी का मंत्र है 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' सबको साथ में लेकर सबके प्रयास से इस देश को आगे लेकर जाना होगा।पीएम मोदी के 2047 तक विकसित भारत का जो विजन है वो बाबा साहब के आदर्शों और उद्देश्यों से ही होकर जाता है।

आज हम सभी को बाबा साहब की इस जयंती पर संकल्प लेते हुए समाज में शिक्षा का प्रचार करना चाहिए,समाज शिक्षित होगा तभी समाज में सुधार और समरसता का संदेश जायेगा।इस मौके पर सभासद पति रूपेश यादव,कमलेश मौर्या,के.एन.ए. अरविंद यादव,अवर अभियंता जटाशंकर पटेल,प्रियंका मौर्या,कंप्यूटर प्रभारी राकेश गुप्ता,आनंद कसेरा,अनुराग गुप्ता,ऐश्वर्या शर्मा,शुभम् मोदनवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पीलीभीत में सपाइयों ने बीपी मंडल की जयंती मनाई बोले बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल ने पिछड़े वर्ग की दिशा-दशा बदली

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अध्यक्षता में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री मंडल आयोग के पूर्व अध्यक्ष बीपी मंडल की जयंती मनाई गई। इस मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने बीपी मंडल के जीवन चरित्र पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि ÷सामाजिक न्याय के पुरोधा मंडल आयोग के पूर्व अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू विंदेश्वरी प्रसाद

मंडल ने हमेशा पिछड़े वर्ग की दिशा एवं दशा को बदलने का प्रयत्न किया। उनके पिता रास बिहारी लाल मंडल ने रूढ़ियों और भेदभाव खत्म करने के लिए पिछड़ी जातियों के लिए जनेऊ पहने की मुहिम चलाई थी। बीपी मंडल के नेतृत्व में आयोग ने 1980 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और उनकी सिफारिशों को 1990 में लागू किया गया। भारत में ओबीसी का कोटा 16 नवम्बर 1992 में लागू किया जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने कहा "एक दशक बाद प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने मंडल रिपोर्ट की शिफारिशों को लागू किया। इसके परिणाम स्वरूप आज भारत में जाति आरक्षण व्यवस्था के रूप में जाना जाता है जो सन 1993 में लागू हुआ। समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने कहा केवल राजनीतिक स्वतन्त्रता से देश का भला नही हो सकता। देश के कल्याण के लिए वैज्ञानिक सोच ,उत्तम स्वास्थ्य सुविधा , सभी को समान उत्तम शिक्षा ,किसानों व पीडीए वर्ग के लोगों की प्रगति आवश्यक है।" जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र कट्टर, बालक राम सागर, काशीराम सरोज ने भी अपने विचार व्यक्त किये इस दौरान मुख्य रूप सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी,सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर, सपा जिला उपाध्यक्ष बालकराम सागर, सपा जिला उपाध्यक्ष काशीराम सरोज,सपा युवजन सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू,सपा अधिवक्ता सभा बरखेड़ा विधानसभा अध्यक्ष धनपति वर्मा एडवोकेट,सपा युवजन सभा जिलाध्यक्ष हरगोविंद गंगवार,128 विधानसभा बरखेड़ा महासचिव नरेश कुमार सागर,पूर्व प्रत्याशी लोकसभा एवं जिला सचिव आदर्श पाण्डे एडवोकेट,प्रशांत अवस्थी,गंगा प्रसाद लोधी,इंतजार अहमद,अर्जुन भारती, जहीर अहमद,मुकुल कुमार सहित तमाम सम्मानित नेतागण पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे...

चोपन बग्गानाला में अग्निशमन विभाग की सुरक्षा पहल- प्रशिक्षण और जागरूकता से सुरक्षा का कवच

चोपन, सोनभद्र। सोनभद्र जिले के चोपन बग्गानाला क्षेत्र में अग्निशमन विभाग द्वारा उठाया गया सुरक्षा जागरूकता का कदम निश्चित रूप से एक स्वागत योग्य और दूरदर्शी प्रयास है। विभाग ने बग्गानाला देवी फिल्म स्टेशन स्थित पेट्रोल टंकी के कर्मचारियों और प्रबंधक को आग से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया है। यह पहल संभावित दुर्घटनाओं को रोकने और क्षेत्र में जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पेट्रोल पंप जैसे ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण और बिक्री केंद्रों पर आग लगने का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे संवेदनशील स्थानों पर कर्मचारियों का प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षित कर्मचारी न केवल आग लगने की शुरुआती अवस्था में उस पर काबू पाने में सक्षम होंगे, बल्कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में सही और त्वरित निर्णय लेकर बड़े नुकसान को भी टाल सकते हैं। यह सर्वविदित है कि आग लगने की स्थिति में सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले व्यक्ति अक्सर घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारी ही होते हैं। यदि वे आग से बचाव के तरीकों और उपकरणों के इस्तेमाल से अनभिज्ञ हैं, तो वे घबराकर स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं। इसके विपरीत, यदि उन्हें आग बुझाने वाले यंत्रों का सही उपयोग करने, सुरक्षित रूप से बाहर निकलने की प्रक्रिया का पालन करने और प्राथमिक उपचार देने का प्रशिक्षण प्राप्त हो, तो वे तत्काल और प्रभावी कार्रवाई कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण न केवल कर्मचारियों की व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि ग्राहकों और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। पेट्रोल टंकी के प्रबंधक अरविंद कुमार शुक्ला ने प्रशिक्षण के महत्व को स्वीकार करते हुए बताया कि उन्हें आग से बचने की बहुत अच्छी जानकारी मिली है, उनकी यह टिप्पणी प्रशिक्षण की उपयोगिता और कर्मचारियों के मनोबल को दर्शाती है। प्रबंधक अरविंद कुमार शुक्ला की सक्रिय भागीदारी आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने और टीम का कुशल नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

समस्तीपुर में अज्ञात युवक का शव मिलने से फैली सनसनी, हत्या की आशंका.

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर। समस्तीपुर में पुलिस ने विद्यापतिधाम रेलवे स्टेशन के समीप से एक युवक का शव बरामद किया है। जिससे इलाके में सनसनी फ़ैल गई है। युवक लाल रंग का शर्ट और काला पैंट पहने हुए है। आशंका जताई जा रही है कि कहीं अन्यत्र हत्या कर शव को रेलवे स्टेशन के पास की झाड़ी में फेंक दिया गया है। हालांकि शव का शिनाख्त नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले चार-पांच दिनों से स्टेशन के पूरब पुराने भवन के झाड़ी से दुर्गंध आ रही थी। रविवार को दुर्गंध अधिक बढ़ जाने के बाद जब लोगों ने दुर्गंध बढ़ जाने की सूचना विद्यापति स्टेशन मास्टर मुन्ना कुमार को दी। उसके बाद स्टेशन प्रबंधक ने घटना की जानकारी रेल पुलिस को दी। इसके बाद आरपीएफ ने झाड़ी में तलाशी की क्रम में एक युवक का शव सड़ा - गला हालत में बरामद किया। जिसके बाद स्टेशन अधीक्षक ने तत्काल इसकी सूचना जीआरपी पटोरी को दी। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शव करीब 10 दिन पुराना बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि कहीं अन्यत्र हत्या कर शव को छुपाने के लिए यहां झाड़ी में लाकर फेंक दिया गया है। इस संबंध में विद्यापति स्टेशन प्रबंधक मुन्ना कुमार ने बताया कि लोगों ने शिकायत दी थी कि स्टेशन के समीप झाड़ी में अधिक दिनों से काफी दुर्गंध कर रहा है। शिकायत के बाद आरपीएफ को घटनास्थल पर भेजा तो पाया कि एक एक शव मिला। आरपीएफ ने बताया कि शव देखने से प्रतीत होता है कि इसकी कुछ दिन पूर्व हत्या कर यहां फेंका गया है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है। घटना की सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। वहीं शव की पहचान के लिए स्थानीय थाने को भी इसकी सूचना

दक्षिण जिला पुलिस ने दो घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। दक्षिण जिला के डिफेंस कॉलोनी और ग्रेटर कैलाश पुलिस थाने द्वारा घोषित अपराधियों की दो खेपों को गिरफ्तार किया गया यह जानकारी अंकित चौहान, पुलिस उपायुक्त, दक्षिण जिला द्वारा दी गई। दक्षिण जिला के डिफेंस कॉलोनी और ग्रेटर कैलाश पुलिस थाने की टीम ने अलग-अलग घटनाओं में मोहम्मद वकील और राहुल नामक दो घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है दक्षिण जिला के कर्मचारियों को विशेष रूप से अपराधियों को पकड़ने का काम सौंपा गया था, इसलिए टीमें घोषित अपराधियों पर काम कर रही थीं जो माननीय न्यायालय के समक्ष अपनी उपस्थिति से बच रहे थे। तदनुसार, कर्मचारियों ने स्थानीय मुखबिरों को संवेदनशील बनाकर और मानवीय खुफिया जानकारी एकत्र करके ईमानदारी से प्रयास शुरू किए एसीपी/डिफेंस कॉलोनी की निगरानी में एसएचओ/डिफेंस कॉलोनी के नेतृत्व में एचसी संदीप और एचसी करण सिंह की एक टीम उन घोषित अपराधियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग विकसित करने के लिए काम कर रही थी जो अपनी उपस्थिति से बच रहे थे। टीम के प्रयासों का फल तब मिला जब एक घोषित अपराधी की उपस्थिति के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई। सूचना को आगे बढ़ाया गया और पी.ओ. के बारे में अधिक विवरण एकत्र किए गए। इनपुट के अनुसार, टीम ने जाल बिछाया और एक व्यक्ति को पकड़ लिया। बाद में, उसकी पहचान मोहम्मद वकील उर्फ मोहम्मद वकील के रूप में हुई, जो एक घोषित अपराधी था एक अन्य घटना में, पीएस ग्रेटर कैलाश की एक टीम ने एक घोषित अपराधी को ट्रैक करने के लिए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। तकनीकी विश्लेषण, निगरानी और इनपुट के अनुसार, टीम ने एक जाल बिछाया और मूलचंद फ्लाईओवर, डिफेंस कॉलोनी, दिल्ली से एक पी.ओ. को पकड़ लिया गया। बाद में उसकी पहचान राहुल के रूप में हुई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों का परिचय।

1.मोहम्मद वकील उर्फ मोहम्मद वकील पुत्र मोहम्मद अख्तर निवासी पट्टे गांव चिथरा, दादरी, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा, उत्तर प्रदेश। उम्र 55 वर्ष। (थाना डिफेंस कॉलोनी)।

2.राहुल पुत्र प्रताप सिंह निवासी सांसी वाला मोहल्ला, हाथरस, उत्तर प्रदेश, उम्र 22 वर्ष। वह पहले एफआईआर संख्या 03/18 के तहत धारा-380/411/34 आईपीसी थाना अमर कॉलोनी (थाना ग्रेटर कैलाश) में शामिल पाया गया था।

निजीकरण के विरोध में विद्युत संविदा मज़दूर संगठन उ0प्र0 करेगा बेमियादी कार्य बहिष्कार

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विद्युत संविदा मज़दूर संगठन उप्र की केन्द्रीय कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से पारित एक प्रस्ताव द्वारा निजीकरण की कार्यवाही को तत्काल रोकने की माँग की गई। नरही स्थित संगठन के केंद्रीय कार्यालय में प्रान्तीय अध्यक्ष नवल किशोर सक्सेना की अध्यक्षता मे हुई उक्त बैठक में निजीकरण के विरोध में पूरे प्रदेश मे अनिश्चित क़ालीन कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया गया ।कार्यकारिणी द्वारा प्रदेश प्रभारी पुनीत राय को विद्युत कर्मचारी महासंघ उप्र के घटक संगठनों के साथ शीघ्र बैठक करके कार्य बहिष्कार की तिथि तय किए जाने हेतु अधिकृत भी किया गया । बैठक मे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा विधानसभा में की गई घोषणा के संदर्भ मे संविदा कर्मियों को विभाग द्वारा सीधे वेतन का भुगतान किए जाने ,आउट सोर्स कर्मियों की सेवा नियमावली बनाए जाने एवं श्रमिकों को 22 हज़ार एवं लाइन मैन,एस एस ओ,कम्प्यूटर आपरेटर को 25 हज़ार रुपये वेतन दिए जाने की मॉग की गई । संगठन द्वारा की गयी अन्य मांगों मे कार्य करने की आयु 55 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष किए जाने,पूरे प्रदेश में कार्य से हटाए गए 16 हज़ार संविदा कर्मियों को कार्य पर वापस रखने,प्रत्येक ज़िले को नज़दीकी ईएसआई अस्पताल से सम्बद्ध किए जाने की माँग प्रमुख रूप से शामिल है। विभागीय कार्मिको और अधिकारियों की लापरवाही से विद्युत दुर्घटना में प्रति वर्ष लगभग पन्द्रह सौ संविदा कर्मियों की दर्दनाक मौतो को रोकने हेतु कठोर कार्रवाई किए जाने की माँग के साथ ही संविदा कर्मचारियों को विभाग द्वारा सीधे सुरक्षा उपकरणों को मुहैया कराने और विद्युत दुर्घटना में घायल संविदा कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा की सुविधा प्रदान किए जाने की माँग की गई । बैठक में वरिष्ठ मज़दूर नेता आर एस राय सहित विद्युत मज़दूर संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष विमल चन्द्र पांडेय ,प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद सरफराज अली ,मुख्य महामंत्री भोला सिंह कुशवाहा,राजेश्वर सिंह, पूर्वांचल अध्यक्ष संजय सिंह मध्यांचल अध्यक्ष अशोक पाल, गोरखपुर जोन अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, विजय नंदन, अशोक राय, राम आसरे मौर्य, अनिरुद्ध कुमार, रविंद्र पटेल, अजय मिश्रा ,राजी सिंह, सत्येंद्र यादव, अरविंद कुमार, प्रियांशु राय, मुनीष पाल, विपिन कुमार विश्वकर्मा, नरेश पाल, सुरेंद्र प्रसाद, प्रभु नाथ सिंह, बासुकीनाथ, अश्वनी, गुलाब यादव सहित अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति के अनावरण एवं चौपाल कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

स्वतंत्र प्रभात

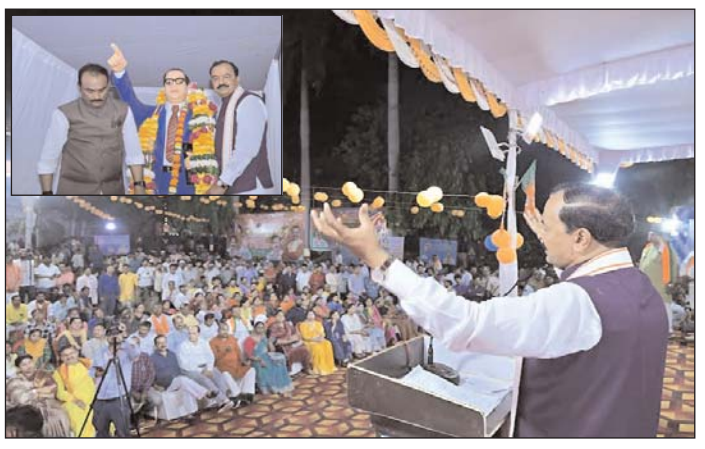

ब्यूरो प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर अम्बेडकर पार्क, तेलियरगंज में आयोजित डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की मूर्ति के अनावरण एवं चौपाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री के द्वारा बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री जी ने उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी की जयन्ती पर उनको शत-शत नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का सपना था कि गरीबों, वंचितों को समाज में बराबर का अधिकार मिलें। प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आज हमारी केन्द्र व प्रदेश की सरकार उनके सपने को पूरा कर रही है। बाबा साहब को असली सम्मान हमारी सरकार में मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा बाबा साहब के पंचतीर्थ स्थानों को उनके अनुयायिओं के लिए पांच धाम बनाने का कार्य किया गया। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी समर्पित होकर गरीबों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का सपना था कि सभी लोग शिक्षित हो। हमारी सरकार शिक्षा पर विशेष जोर दे रही है। आज डबल इंजन की सरकार में गरीबों को पक्का मकान देने का कार्य हुआ हैं। बाबा साहब का जीवन बहुत संघर्षों में बीता है, वे पूरे जीवन पर्यन्त गरीब एवं वंचितों को मुख्य धारा से जोडने का कार्य करते रहे। इनके सपनों के साकार करने के लिए प्रधानमंत्री जी ने कई योजनाएं चलाकर उससे गरीबों व वंचितों को लाभान्वित कर आज 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का काम किया है। बाबा साहब चाहते थे कि कोई भी गरीब भूखा न रहे, उनके सपने को अगर किसी ने सच में साकार किया है तो वे है हमारे प्रधानमंत्री, जिन्होंने निःशुल्क राशन, पक्का मकान, शौचालय, गैस एवं आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क इलाज देकर गरीबी को खत्म करने तथा उन्हें मुख्य धारा से जोडने का काम किया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में भी योजनायें बनती थी, लेकिन उसका लाभ आम लोगो को नहीं मिलता था, वे सारी योजनायें भ्रष्टाचार की भेट चढ जाती थी, लेकिन हमारी सरकार आज पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए सीधे उनके खाते में डीबीटी के माध्यम से लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने जन समुदाय से कहा कि आपको वोट देने का अधिकार बाबा साहब के लिखे हुए संविधान से ही मिला है। आज हम सभी वादा करें कि बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेकर देश को आगे बढ़ानें में अपना योगदान देंगे। उप मुख्यमंत्री डु ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव, हम सभी लोगों कोडु उनके जीवन आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी ने बहुत ही विषम परिस्थितियों में शिक्षा ग्रहण की, उनके द्वारा लिखित पुस्तकों के अध्ययन से पता चलता है कि उनके सोंचने का दर्शन अद्वितीय था। इस अवसर पर सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधायक करछन पीयूष रंजन निषाद, विधान परिषद सदस्य श्री सुरेन्द्र चौधरी, महानगर अध्यक्ष ?? संजय गुप्ता बाबूलाल भंवरा ने भी बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मा0 विधायक शहर उत्तर हर्षवर्धन वाजपेयी, मा0 विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, पूर्व मंत्री नरेन्द्र सिंह गौर, पार्ष संजय पासवान जी, अवधेश गुप्ता जी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सपा ने किया अंबेडकर जयंती पर प्रभारियों एवं सामाजिक मिशन के कार्यकर्ताओं का विशाल पीडीए सम्मेलन

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के तत्वाधान में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134वी जयंती पर सपा महानगर के पदाधिकारियों 78 वार्डों के अध्यक्षों 17 फ्रंटल संगठनों पीडीए मिशन की टीम बूथ प्रभारियों 300 मतदान केंद्रों के सामाजिक मिशन के कार्यकर्ताओं का बृहद पीडीए सम्मेलन सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में सपा कार्यालय में आरंभ हुआ। जिसका संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। सर्वप्रथम सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्या अर्पण कर संबोधित करते हुए कहा कि 274 सदस्यों ने 2 साल 11 महीने 18 दिन में 167 बैठके कर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने दुनिया के सबसे बड़े संविधान की संरचना की जो हस्त लिपि में पहले लिखा गया आज संविधान की वजह से समाज के आखिरी पावदान पर खड़े व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं हो पा रहा है और संविधान की बदौलत अनुसूचित पिछड़ों के हितों की रक्षा रक्षा उनके अधिकारों की सुरक्षा का जो निति निर्देशक किये.उसे समाज में आज एक मिसाल कायम की गई है जिसे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूरे प्रदेश में पीडीए अभियान चलाकर संविधान की रक्षा तथा लोकतंत्र की मजबूती के लिए अभियान चलाकर युवा पीढ़ी तथा आम जनता का दिल जीता है जो 2027 में चमत्कार होगा। सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आज सपा पीडीए मिशन ने प्रत्येक विधानसभा में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी का जन्मदिन पर सबको भाव भीनी बधाई के साथ समानता सद्भाव को मजबूत करने का संदेश दिया है। सम्मेलन में प्रमुख रूप से सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद प्रदेश सचिव के के शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष पंडित ओमप्रकाश मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, नंदलाल जयसवाल, राजीव शर्मा, आनंद शुक्ला, परमवीर सिंह, गंभीर सुलेखा यादव, अर्पित त्रिवेदी, अरमान खान, के के मिश्रा, रमेश यादव, शिवकुमार बाल्मिक, विनय गुप्ता, श्याम सिंह, बबलू, पूजा यादव, उमा देवी, एडवोकेट सौरभ सिंह, शरद पांडे ,राजेंद्र प्रसाद, आलेख सिंह चौहान, आदि

बीएसपी में आकाश आनंद को मायावती ने दी .....

मायावती ने दावा किया था कि आकाश अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में काम कर रहे थे, जिन्हें फरवरी 2025 में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बीएसपी से निष्कासित किया गया था। मायावती ने मार्च में यह भी घोषणा की थी कि उनके जीवित रहते बीएसपी में कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। उन्होंने आकाश को राष्ट्रीय समन्वयक के पद से हटाकर उनके पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। आनंद कुमार को दिल्ली में पार्टी के दस्तावेजों और कार्यकर्ताओं से समन्वय का काम दिया गया, जबकि रामजी गौतम को देशभर में मायावती के निर्देशों को लागू करने और समर्थकों को जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई। 30 वर्षीय आकाश आनंद मायावती के बड़े भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। उन्होंने लंदन से एमबीए की पढ़ाई पूरी की और 2017 में भारत लौटने के बाद बीएसपी में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू की। 2019 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार किया और मायावती को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी युवा छवि और आधुनिक दृष्टिकोण को बीएसपी की नई पीढ़ी तक पहुंच बनाने की रणनीति के रूप में देखा गया। दिसंबर 2023 में मायावती ने आकाश को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया था, जिससे पार्टी में उनकी स्थिति मजबूत हो गई थी। हालांकि, मई 2024 में लोकसभा चुनावों के दौरान मायावती ने उनकी अपरिपक्वता का हवाला देते हुए उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक के पद से हटा दिया था। जून 2024 में उन्हें फिर से इस पद पर बहाल किया गया, लेकिन हाल के घटनाक्रम ने उनकी स्थिति को फिर से कमजोर कर दिया है। अशोक सिद्धार्थ, जो आकाश आनंद की पत्नी प्रगति आनंद के पिता हैं, बीएसपी के पूर्व सांसद रह चुके हैं। फरवरी 2025 में मायावती ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया था। मायावती ने आरोप लगाया था कि अशोक सिद्धार्थ ने आकाश को गलत सलाह देकर पार्टी के हितों को नुकसान पहुंचाया। सूत्रों के मुताबिक, अशोक सिद्धार्थ ने आकाश को स्वतंत्र रूप से फैसले लेने के लिए उकसाया, जिससे मायावती के साथ उनके रिश्ते खराब हुए। बीएसपी की वर्तमान स्थिति: बीएसपी पिछले कुछ वर्षों में कई चुनावी असफलताओं का सामना कर रही है। 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा। हाल ही में दिल्ली और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में भी बीएसपी कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। आकाश आनंद को इन असफलताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया, जिसके बाद मायावती ने उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए।

बदमाशो ने मैकेनिक से छीना पैसो भरा पर्स व बाइक

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर के सख्त आदेशो के बाद भी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात लापरवाह थानेदार बड़ी घटनाओ पर कार्यवाही की बजाय दबाने से बाज नही आ रहे है, तीन दिन पहले बैखोफ बदमाशो ने बिजनौर थाना क्षेत्र में किसान पथ पर डबल डेकर बस की रिपेयरिंग करने गये मैकेनिक की बुरी तरह पिटाई कर तीन हजार रूपये व कागजात रखा पर्स व बाइक की चाभी छिनने के बाद गला दबाकर मैकेनिक को किसान पथ से नीचे कटीले तारो में फेककर बाइक लेकर फरार हो गये थे।पीड़ित मैकेनिक ने घटना की बिजनौर पुलिस से लूट की घटना की लिखित शिकायत की तो पुलिस ने उसे डरा धमकाकर कागजात खोने की एनसीआर दर्ज कर चलता कर दिया था ओर चुप्पी साध कर बैठ गयी थी। मोहनलालगंज के खरेहना गांव निवासी अभिषेक बाजपेयी ने बताया वो सरोजनीनगर के मुल्लाखेड़ा में परिवार के साथ किराये के मकान में रहकर बसो समेत बड़े वाहनो के संस्पेंशन रिपेरिंग का काम करता है.11-12अप्रैल की मध्यरात्रि एक डबल डेकर बस के चालक ने उसे फोन कर संस्पेंशन ठीक करने के लिये बिजनौर थाना क्षेत्र में किसान पथ पर बुलाया था.जिसके बाद अपनी बाइक से साढे बारह बजे के करीब किसान पथ पर पहुंचकर बस का इन्तजार कर रहा था तभी काले कलर की बाइक से आये दो अज्ञात बदमाशो ने उसके पास आकर पुछताछ करते हुये उसकी पिटाई शुरू कर दी ओर माथे पर किसी भारी चीज से वार कर लहूलुहान कर दिया ओर जेब से तीन हजार रूपये व एडीएम कार्ड,आधार कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस रखा पर्स निकालकर व बाइक की चाभी छीन ली,बदमाशो ने हाथ में पकड़ा मोबाइल भी पटक कर तोड़ दिया? ओर गला दबाकर किसान पथ से नीचे कटीले तारो में फेककर बाइक लेकर फरार हो गये.घायल अवस्था में किसान पथ पर चढकर दूसरी पटरी पर खड़ी डबल डेकर बस के चालक के पास जाकर उसके मोबाइल से डायल-112 नम्बर पर फोन कर कन्ट्रोल रूम पर पुलिस को लूट की घटना की सूचना दी?।जिसके बाद मौके पर पहुंची डायल-112 पुलिस घायल मैकेनिक को इलाज के लिये सरोजनीनगर सीएचसी लेकर गयी ओर इलाज कराने के बाद घायल मैकेनिक को उसके घर पर छोड़ते हुये सुबह बिजनौर थाने जाकर पुलिस से घटना की शिकायत करने की बात कही।

इंस्पेक्टर ने तीन हजार रूपये दिये कहा घटना का जिक्र ना करना...

पीड़ित मैकेनिक ने बताया 12अप्रैल की सुबह साढे दस बजे के करीब पत्नी संग थाने पहुंचकर वहा मौजूद पुलिसकर्मियो को अपने साथ हुयी लूट की घटना की तहरीर दी तो उसे डरा धमकाकर तहरीर बदलवाते हुये बाइक की डिग्गी से केवल कागजात गुम होने की बात लिखाई ओर इंस्पेक्टर से मिलाया तो उन्होने दो हजार रूपये व चौकी में तैनात सिपाही ने एक हजार रुपये उसे देते हुये लूट की घटना का कही जिक्र ना करने की बात कही ओर कहा जल्द ही तुम्हारी बाइक खोजकर दे देगे।

पीड़ित मैकेनिक ने डीसीपी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग..

पीड़ित मैकेनिक अभिषेक बाजपेयी ने पूरे मामले की डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल से शिकायत करते लूट करने वाले बदमाशो समेत घटना को दबाने वाले पुलिसकर्मियो पर कार्यवाही की मांग की।डीसीपी निपुण अग्रवाल ने घटना को गम्भीरता से लेते हुये कृष्णानगर एसीपी विकास कुमार पांडे को जांच कर कार्यवाही के लिये रिपोट तलब की।सोमवार को पीड़ित मैकेनिक ने एसीपी से उनके कार्यालय में मिलकर पूरी घटना की लिखित शिकायते करते हुये अपने बयान दर्ज कराये।एसीपी ने पीड़ित मैकेनिक को मुकदमा दर्ज कराने के साथ पूरी घटना में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियो पर जांच के बाद कार्यवाही कराये जाने का आश्वासन दिया।